<u>उद्देश्य</u> - *इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत (तबला) के प्रयोगत्मक पक्ष का प्रारम्भिक ज्ञान देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नींव डालना है।*

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
2	**प्रयोगात्मक**	**बी0ए0एम0टी0-102**	**100**	**9**
प्रथम खण्ड	***प्रदर्शन - 1***			
	* **इकाई 1 -** तीनताल में सोलो वादन।			
	* **इकाई 2 -** एकताल में टुक्ड़े, मुखड़े, परन/गत/चक्करदार व तिहाई।			
	* **इकाई 3 -** चारताल में **1** टुक्डा एवं **1** तिहाई।			
	* **इकाई 4 -** सुगम संगीत के साथ बजने वाली तालों (कहरवा एवं दादरा) का ज्ञान।			
	* **सोलो - उ□ान/मुखड़ा , एक पेशकार(तीन पलटों सहित) , एक कायदा (तीन पलटों सहित) , एक रेला (तीन पलटों सहित) , दो सादे टुकड़े , एक चक्करदार टुकडा एवं तिहाई ।**			
द्वितीय खण्ड	***पढन्त एवं मौखिक परीक्षा***			
	* **इकाई 1 -** तालों की पढन्त।			
	* **इकाई 2 -** तालों के ठेकों को लयकारी(दुगुन व चौगुन) में पढ़ना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
ताल - तीनताल, एकताल, चारताल, कहरवा व दादरा				

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग), संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री, तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।